Y-182001–C

CGBOARDonline.com

विषय : हिन्दी (विशिष्ट)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कुल 26 प्रश्न हैं।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। खण्ड-(अ) में 5 अंक बहुविकल्पीय, खण्ड-(ब) में 5 अंक रिक्त स्थानों की पूर्ति एवं खण्ड-(स) में 5 अंक उचित संबंध जोड़िए के लिए निर्धारित हैं। कुल 15 अंक हैं।

(*iii*) प्रश्न क्रमांक 2 से 10 में 2 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 30 शब्द है।

(*iv*) प्रश्न क्रमांक 11 से 17 में 3 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 50 शब्द है।

(*v*) प्रश्न क्रमांक 18 से 21 में 4 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*vi*) प्रश्न क्रमांक 22 एवं 23 में 5-5 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 100 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*vii*) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 6-6 अंक निर्धारित हैं। शब्द-सीमा 125 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प है।

(*viii*) प्रश्न क्रमांक 26 निबंधात्मक प्रश्न है। शब्द-सीमा 250 शब्द है तथा 8 अंक निर्धारित है।

प्रश्न-1 (खण्ड-अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए : [1×5=5]

(*i*) संत कबीर किस काव्य धारा के कवि हैं?

(*अ*) प्रेमाश्रयी

(*ब*) ज्ञानाश्रयी

CGBOARDonline.com

(*स*) कृष्णाश्रयी

(*द*) रामाश्रयी

(*ii*) 'उद्धव शतक' से लिया गया है :

(*अ*) कवित्त रत्नाकर

(*ब*) मानसरोदक

(*स*) प्रेम को मंत्र

(*द*) उद्धव-प्रसंग

(*iii*) अतुकान्त छंद के जनक माने जाते हैं :

(*अ*) जयशंकर प्रसाद

(*ब*) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(*स*) महादेवी वर्मा

(*द*) सुमित्रानंदन पंत

(*iv*) जब कोई वाक्य या वाक्यांश अपने साधारण अर्थ को छोड़कर लाक्षणिक अर्थ को प्रकट करे, तो उसे कहते हैं :

(*अ*) लोकोक्ति

(*ब*) मुहावरा

(*स*) शब्दार्थ

(*द*) भावार्थ

(*v*) 'दिनकर' जी को किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था ?

(*अ*) कुरुक्षेत्र CGBOARDonline.com

(*ब*) उर्वशी

(*स*) हुंकार

(*द*) रश्मिरथी

प्रश्न-1 (**खण्ड-ब**) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [1×5=5]

(*i*) झंडामल के पिता का नाम —— था।

(*ii*) लहनासिंह नं. —— रैफल्स में जमादार था।

(*iii*) "काम बंद करो" —— वाचक वाक्य है।

(*iv*) 'चुरकी अऊ मुरकी' —— कथा है।

(*v*) आचार्य शुक्ल —— काल के निबंधकार हैं।

CGBOARDonline.com

प्रश्न-1 (खण्ड-स) उचित संबंध जोड़िए : CGBOARDonline.com [1×5=5]

(क)		(ख)
(*i*) औपचारिक पत्र	–	तहसीलदार
(*ii*) लोकमान्य तिलक	–	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(*iii*) परेश	–	आदिवासी
(*iv*) बेजुबान	–	सरकारी कार्यालयों में
(*v*) शतदल	–	गीता भाष्य

प्रश्न-2 'श्रद्धा-भाजन' का क्या अर्थ होता है ? [2]

प्रश्न-3 मनुष्य को अपने आवास पर गर्व क्यों नहीं करना चाहिए ? [2]

प्रश्न-4 "तुम राजा हो, मेरे मुल्क को बचाने आए हो।" किसने, किससे कहा ? [1+1=2]

प्रश्न-5 मंदिर में बैठकर साधक शांति का अनुभव क्यों करता है ? [2]

प्रश्न-6 चीनी के जाने के बाद महादेवी का मन क्या कहता है ? [2]

प्रश्न-7 रस का परिपाक कैसे होता है ? लिखिए। [2]

प्रश्न-8 छंद की परिभाषा लिखिए। [2]

प्रश्न-9 नदी के बीच द्वीप देखकर कवि कौन-सी कल्पना करता है ? [2]

प्रश्न-10 कवि ने 'उषा' और 'कालरात्रि' शब्दों का प्रयोग किस आशय से किया है ? [1+1=2]

प्रश्न-11 आदर्श निबंध की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए। CGBOARDonline.com [1+1+1=3]

प्रश्न-12 गाड़ी के जाते ही लहना लेट गया—"वजीरा पानी पीला दे और मेरा कमरबंद खोल दे"—लहनासिंह की निश्चिंतता का क्या कारण था ? [3]

प्रश्न-13 चीनी बालक की कौन-कौन सी इच्छाएँ थीं ? वे किस हद तक पूरी हुईं ? [2+1=3]

प्रश्न-14 स्थायी भाव एवं संचारी भाव में तीन अंतर लिखिए। [3]

प्रश्न-15 कवि दिनकर के अनुसार भाग्यवाद की अपेक्षा कर्मवाद की प्रतिष्ठा को उदाहरण सहित लिखिए। [2+1=3]

प्रश्न-16 "दादाजी की सहायता से परिवार टूटने से बचा।"—इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? [3]

CGBOARDonline.com

प्रश्न-17 'सवैया' छंद को सोदाहरण समझाइए। [1½+1½=3]

प्रश्न-18 वियोगी हरि **अथवा** पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए : [1+2+1=4]

(*i*) रचनाएँ (कोई दो)

(*ii*) भाषा तथा शैली

(*iii*) साहित्य में स्थान

प्रश्न-19 'उसने कहा था' कहानी के नायक लहनासिंह के चरित्र की चार विशिष्टताओं को स्पष्ट रूप से समझाइए। [4]

CGBOARDonline.com

अथवा

पंत जी ने नौका-विहार की तुलना जीवन के शाश्वत क्रम से किस प्रकार की है ? पठित पाठ के आधार पर समझाइए।

प्रश्न-20 सुमित्रानंदन पंत **अथवा** मलिक मुहम्मद जायसी का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर दीजिए : $[1+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=4]$

(*i*) रचनाएँ (कोई दो)

(*ii*) भावपक्ष - कोई तीन विशेषताएँ

(*iii*) कलापक्ष - कोई तीन विशेषताएँ

प्रश्न-21 ''पेटों की आँतों में न्यूनों की पीड़ा है'' में समाज के किस वर्ग की ओर संकेत किया गया है ? समझाइए। [4]

CGBOARDonline.com

अथवा

मानसर की इच्छा क्या थी ? इच्छा पूरी होने पर क्या हुआ ? समझाइए।

प्रश्न-22 निम्न पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए : [1+1+1+2=5]

CGBOARDonline.com

सिंधु सेज पर धरा वधू अब,
तनिक संकुचित बैठी सी।
प्रलय निशा की हलचल स्मृति में,
मान किए सी ऐंठी सी।

अथवा

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा।
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा॥
था पथ सहज अतीव, सम्मिलित हो समग्र सुख पाना।
केवल अपने लिए नहीं कोई सुख भाग चुराना॥

प्रश्न-23 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ, प्रसंग एवं विशेष सहित व्याख्या कीजिए : [1+1+1+2=5]

CGBOARDonline.com

हैट टाँगने के लिए कोई भी खूँटी काम दे सकती है, उसी तरह अपने मनोभावों को व्यक्त करने के लिए कोई भी विषय उपयुक्त है। असली वस्तु है हैट, खूँटी नहीं। इसी तरह मन के भाव ही तो यथार्थ वस्तु हैं, विषय नहीं।

अथवा

भक्ति का स्थान मानव हृदय है। वहीं श्रद्धा और प्रेम के संयोग से उसका प्रादुर्भाव होता है। अत: मनुष्य की श्रद्धा के जो विषय ऊपर कहे जा चुके हैं, उन्हीं को परमात्मा में अत्यन्त विशद् रूप में दिखाकर ही उसका मन खिंचता है और वह उस विशद् रूप विशिष्ट का सामीप्य चाहता है।

प्रश्न-24 आप सार्थक शर्मा, कक्षा 12वीं, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, राजिम में अध्ययनरत हैं। अपने प्राचार्य को शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति हेतु एक आवेदन-पत्र लिखिए। [$1\frac{1}{2}+3+1\frac{1}{2}=6$]

अथवा

छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए कि वह पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य के नियमों का भी नियमित रूप से पालन करे।

प्रश्न-25 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $[1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}=6]$

CGBOARDonline.com

"प्रत्येक क्रियाशीलता आचरण नहीं कहलाती। उठना, बैठना, भोजन करना आदि क्रियाएँ आचरण नहीं हैं। वास्तव में वह क्रियाशीलता आचरण कहलाती है जिसका संबंध दूसरे व्यक्ति से होता है। यदि किसी क्रिया से दूसरा व्यक्ति अनुकूल या प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है तो वह क्रिया आचरण बन जाएगी। जैसे किसी व्यक्ति की दुखद अवस्था पर यदि कोई हँसता है तो वह हँसना आचरण बन जाएगा। वैसे सामान्य रूप से हँसना केवल एक क्रिया है। यदि समस्त क्रियाओं को आचरण माना जाय तो पशु और प्रकृति के कार्यों को भी आचरण का विषय मानना होगा और इस प्रकार एक अव्यवस्था हो जाएगी। इसलिए आचरण का संबंध मूलतः मनुष्य से ही है; क्योंकि वह आत्मचेतन होकर कार्य करता है।"

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) आचरण किस क्रिया को कहते हैं ?

(*iii*) समस्त क्रियाओं को आचरण क्यों नहीं कहा जा सकता ?

(iv) आचरण का संबंध मनुष्य से ही क्यों है ?

(v) गद्यांश का सारांश लिखिए।

अथवा

"महानगरों में जो सभ्यता फैली है, वह छिछली और हृदयहीन है। लोगों के पारस्परिक मिलन के अवसर तो बहुत हो गए हैं; मगर इस मिलन में हार्दिकता नहीं होती, मानवीय संबंधों में घनिष्ठता नही आ पाती। दफ्तरों, ट्रामों, बसों, रेलों, सिनेमाघरों, सभाओं और कारखानों में आदमी हर समय भीड़ में रहता है, मगर इस भीड़ के बीच वह अकेला होता है। मनुष्य के लिए मनुष्यत्व के भीतर पहले जो माया, ममता और सहानुभूति के भाव थे, वे अब लापता होते जा रहे हैं। देशों की पारस्परिक दूरी घट गई है, लेकिन आदमी और आदमी के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।"

(*i*) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(*ii*) महानगरों की सभ्यता को हृदयहीन क्यों कहा गया है ?

CGBOARDonline.com

(*iii*) महानगरों की भीड़ में मानव अकेला क्यों है ?

(*iv*) "देशों की पारस्परिक दूरी घट गई है, लेकिन आदमी और आदमी के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है।" इस दूरी की वृद्धि के कारणों का उल्लेख कीजिए।

(*v*) हार्दिकता होने का क्या आशय है ? CGBOARDonline.com

प्रश्न-26 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए : [2+4+2=8]

(*i*) एक कदम स्वच्छता की ओर

(*ii*) वन रहेंगे, हम रहेंगे

(*iii*) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप

(*iv*) साहित्य और समाज

(*v*) पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण

CGBOARDonline.com

.....